

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :- (१६)

क. "पुलिस को यह अधिकार होना चाहिए कि अपराधी को पकड़ा और वहीं सजा दे दी । अदालत में जाने का झँझट नहीं, मगर यह सिस्टम अभी हमारे रामराज में भी चालू नहीं हुआ "

अथवा

"भारतीय संस्कृति अखंड जीवन में विश्वास रखती है, उसमें निषेध नहीं है, उसमें गजाजिन भी दुकूल बन जाता है, भस्म भी चन्दन बन जाता है । हिमालय का स्मरण भारत की इस समग्र दृष्टि का स्मरण है क्योंकि यह दृष्टि हिमालय के वात्सल्य से उबरी हुई दृष्टि है ।"

ख) "विवाह एक धार्मिक व्रत है, एक आत्मिक प्रतिज्ञा है, जब हम गृहस्थाश्रम में प्रवेश करते हैं । ऐसे पवित्र संस्कार पर हमको गाम्भीर्य से काम लेना चाहिए । अगर दुर्भाग्य से आजकल उल्टी प्रथा चल पड़ी है तो क्या यह आवश्यक है कि हम भी उसी लकीर पर चलें?"

अथवा

"इतना तो आप भी मानेंगी कि संसार में रहकर संसार की चाल चलनी पड़ती है । इस अन्याय को स्वीकार करना हूँ लेकिन यह अन्याय हमने नहीं किया, वरन् उस समाज ने किया है जिसमें हम लोग रहते हैं ।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२४)

च) 'जहाँ आकाश नहीं दिखाई देता' निबंध के माध्यम से कलकत्ता महानगर के वर्णन का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'शनि: सबसे सुंदर ग्रह' निबंध के माध्यम से शनि ग्रह के वैज्ञानिक वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए ।

छ) 'सेवासदन' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सेवासदन' उपन्यास के माध्यम से गजाधर प्रसाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

ट) 'खेल' कहानी का सारांश ।

अथवा

हिमालय भारतीय संस्कृति का अग्रदूत ।

ठ) शान्ता का चरित्र-चित्रण ।

अथवा

उपन्यास की भाषाशैली ।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

(१०)

१. 'आमार शोनार बांगला देश' कहावत के अनुसार बंगाल किसका देश है ?
२. 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' निबंध के लेखक का नाम बताइए ।
३. प्रेमचंद जी की रचना का नाम बताइए ।
४. सौर मंडल के दूसरे बड़े ग्रह का नाम लिखिए ।
५. हिमालय किसका प्रिय वत्स है ?
६. 'सेवासदन' उपन्यास में कुल कितने अंक हैं ?
७. 'सेवासदन' उपन्यास के पीछे लेखक का क्या उद्देश है ?
८. शान्ता किसकी पुत्री है ?
९. सुमन किससे प्रभावित होकर दुराचार की शिकार हुई ?
१०. पद्मसिंह के मित्र का नाम बताइए ।

।।।।।

।।।।।

(४६)

:- प्रछीली गुरु के निदेश तछीलीगनी ६.४

।।।।।

।।।।।

।।।।।

।।।।।

।।।।।

।।।।।

(०४)

:- प्रछीली गुरुगणी गुरु गुरुगनी तछीलीगनी ६.४

।।।।।

।।।।।

।।।।।

।।।।।

।।।।।